संपादकीय

रोशनी छीनते डॉक्टर

कहां तो बुजुर्ग आंखों की रोशनी बढ़ने की उम्मीद से डाक्टरों के पास गये थे, मगर लापरवाही ने नेत्र-चिकित्सा शिविरों में उनकी दुनिया में अंधेरा कर दिया है। एकाध केस नहीं, बल्कि कई-कई केस खराब होने के समाचार हैं। कुरुक्षेत्र तथा भिवानी के सरकारी अस्पतालों में किए गए मोतियाबिन्द के ऑपरेशनों में 60 मामले ऐसे हैं, जिनकी दुनिया में अब अंधेरा ही अंधेरा है। यह लापरवाही अक्षम्य है क्योंकि अतीत में हुए ऐसे मामलों से हमने कोई सबक नहीं सीखा है। कुछ ही सप्ताह पूर्व महाराष्ट्र के मुंबई अस्पताल में ऐसा ही मामला देखने को मिला जहां ऑपरेशन थियेटर में डाक्टरों ने मूलभूत ऑपरेशन सुविधाएं भी जुटाना जरूरी नहीं समझा। उसके कुछ सप्ताह बाद ही इन मरीजों की आंखों की रोशनी चली गयी। लोगों के दिलोदिमाग में दिसंबर, 2014 का वह हादसा ताजा पड़ा है जब गुरदासपुर में सर्जरी के बाद 60 लोगों की आंखों की रोशनी जाती रही। जब तक मामले की जड़ तक नहीं पहुंचा जाता, हरियाणा सरकार ने सरकारी अस्पतालों में ऐसे ऑपरेशन करने पर रोक लगा दी है। जांच के बाद लापरवाही करने वालों पर गंभीर अपराध के लिए जिम्मेदारी डाली जाएगी। लेकिन जो समय की मांग है, वह है, दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो। अगर सरकार की आंखें इस हादसे के बाद भी नहीं खुलीं तो कभी नहीं खुलेंगी।

सरकारी ऑपरेशन थियेटर में सफाई व्यवस्था, डाक्टरों की लापरवाही, दवाइयों तथा मेडिकल उपकरण सप्लाई से जुड़े लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई बनती है। दोषियों को कड़े दंड से ही ऐसी पुनरावृत्तियों से बचा जा सकता है। मेडिकल कौंसिल से अब तक प्राप्त आंकड़ों के अनुसार 2012 से 2018 तक अभी तक 167 डाक्टरों को ही ब्लैकलिस्ट किया गया है। ऐसे लापरवाह डाक्टरों का लाइसेंस सिर्फ तीन से पांच महीने के लिए ही स्थगित किया जाता है। फिर वे पुराने ढर्रे पर लौट आते हैं। शायद ही कभी ऐसा हुआ हो कि प्रैक्टिस करने के लिए सारी ज़िंदगी उन्हें मनाही हो। रोशनी की किरण को तरसने वाले रोगी अभी भी सरकारी दया पर निर्भर हैं क्योंकि उन्हें अभी तक कोई राहत नहीं दी गयी है।

फेसबुक ने किया कानून का उल्लंघन, यूजर के घर पहुंच किया फिजीकल वेरीफिकेशन

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत में चुनावी गर्मी के बीच फेसबुक कुछ ऐसा करने में व्यस्त है जो इससे पहले कभी सुना तक नहीं गया है। फेसबुक ने अपने एक प्रतिनिधि को यूजर के घर यह जानने के लिए भेजा है कि राजनीतिक विषय पर लिखी गई उसकी पोस्ट क्या वास्तव में उसी ने लिखी है।

नई दिल्ली में एक ऐसे ही फेसबुक यूजर से संपर्क किया गया जिनके पास हाल ही में फेसबुक का एक प्रतिनिधि यूजर की फेसबुक पोस्ट से संबंधित सत्यापन (फिजिकल वरीफिकेशन) के लिए आया था। उस व्यक्ति ने नाम गोपनीय रखते हुए कहा, मुझे लगा कि पासपोर्ट के सत्यापन के

लिए पुलिस मेरे घर आई है। फेसबुक प्रतिनिधि ने मुझे खुद को साबित करने के लिए मेरा आधार कार्ड और अन्य दस्तावेज मांगा जिससे यह सत्यापित हो सके कि वह राजनीतिक पोस्ट मैंने ही किया था।

यूजर फेसबुक के प्रतिनिधियों को सिर्फ एक पोस्ट के बारे में पूछताछ करने के लिए उसके घर आने से सकते में रह गया। यूजर ने सवाल किया, यह मेरे लिए स्तब्धकारी था। एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म अपने यूजर के साथ ऐसा कैसे कर सकता है? यूजर की निजता का क्या मतलब रहा? मैं कहीं भी ऐसी किसी घटना के बारे में नहीं सुना। क्या यह सरकार के आदेश पर हुआ?

विधि विशेषज्ञों के अनुसार, किसी यूजर की फिजीकल वेरीफिकेशन तो अजीब है। उन्होंने इसके लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की। देश के शीर्ष साइबर कानून विशेषज्ञ और सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता पवन दुग्गल ने कहा, यह घटना, अगर सच है तो स्पष्ट रूप से किसी यूजर की निजता का उल्लंघन करती है।

संकट में फंसी जेट एयरवेज के लिए एसबीआई ने बोली मंगाई

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने वित्तीय संकट से जूझ रही जेट एयरवेज में हिस्सेदारी बेचने के लिए बोली आमंत्रित की है।

सार्वजनिक सूचना के अनुसार, एसबीआई जेट एयरवेज के प्रबंधन और नियंत्रण में बदलाव पर विचार कर रहा है। स्टेट बैंक, एयरलाइन को कर्ज देने वाले ऋणदाताओं के समूह की अगुवाई कर रहा है। एसबीआई कैपिटल मार्केट्स बोली प्रक्रिया में कर्जदाताओं की सहायता करेगी और परामर्श देगी। बोलियां 10 अप्रैल तक जमा की जा सकती हैं। उल्लेखनीय है कि ऋण समाधान योजना के तहत ऋणदाताओं के समूह ने जेट एयरवेज का नियंत्रण अपने हाथों में ले लिया है।

जेट एयरवेज के निदेशक मंडल द्वारा 25 मार्च को मंजूर कर्ज समाधान योजना के तहत कर्जदाताओं ने एयरलाइन में बहुलांश हिस्सेदारी ली और उसमें 1,500 करोड़ रुपये की पूंजी डालने की तैयारी में हैं। इसके अलावा एयरलाइन के संस्थापक और प्रवर्तक नरेश गोयल के साथ उनकी प प्रतिशती अनीता गोयल ने निदेशक मंडल से इस्तीफा दे दिया।

एक घर बेचकर दूसरा घर खरीदने वालों को बड़ी राहत

मुंबई (आरएनएस)। एक घर बेचकर दूसरा घर खरीदने वाले टैक्सपेयर्स को इनकम टैक्स अपीलेट ट्राइब्यूनल की मुंबई बेंच के हालिया फैसले से फायदा होने वाला है।

ट्राइब्यूनल ने कहा है कि घर पर कब्जा उसके अलॉटमेंट डेट से माना जाएगा। उसने स्पष्ट किया कि होल्डिंग पीरियड अलॉटमेंट डेट से शुरू होगा, न कि रजिस्ट्रेशन डेट से। लॉन्ग-टर्म कैपिटल ऐसेट की बिक्री से प्राप्त लाभ को लॉन्ग टर्म कैपिटल गेंस माना जाता है। वही घर इस कैटिगरी में आते हैं जिनका होल्डिंग पीरियड कम कम-से-कम 24 महीने हो। यानी, किसी टैक्सपेयर ने किसी घर को 24 महीने अपने मालिकाना हक में रखने के बाद बेचा हो, तो उसे इस बिक्री से हुए मुनाफे पर लॉन्ग टर्म कैपिटल गेंस टैक्स देना होगा। हालांकि, वित्त वर्ष 2017-18 से पहले लॉन्ग टर्म कैपिटल गेंस के लिए समयसीमा 36 महीने की थी। ट्राइब्यूनल का यह फैसला इसलिए मायने रखता है क्योंकि टैक्सपेयर को इनकम टैक्स ऐक्ट के सेक्शन 54 एफ के तहत एक घर बेचने से प्राप्त एलटीसीजी पर टैक्स से मुक्ति मिल जाती है, अगर वह निश्चित समय सीमा के अंदर दूसरा घर खरीद ले।

भारतीय यूजर्स को नेटफ्लिक्स का तोहफा, पेश किया अब तक का सबसे सस्ता प्लान

नई दिल्ली (आरएनएस)। कंटेंट स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स 65 रुपये प्रति सप्ताह के मोबाइल-ऑनली प्लान का परीक्षण कर रहा है। नेटफ्लिक्स ने विशेषरूप से भारत में अब तक का सबसे सस्ता प्लान पेश किया है। पिछले सप्ताह आई मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मोबाइल-ऑनली प्लान के तहत यूजर्स को उनके स्मार्टफोन या टेबलेट पर कंटेंट देखने की सुविधा देता है।

नेटफ्लिक्स इंडिया की वेबसाइट की सूचीबद्ध नए प्लानों में साप्ताहिक मोबाइल-ऑनली प्लान 65 रुपये में, मूल प्लान 125 रुपये में, स्टेंडर्ड प्लान (दो स्क्रीन की अनुमति) 165 रुपये और अल्ट्रा प्लान (4के में चार स्क्रीन) 200 रुपये में है। हालांकि मोबाइल-ऑनली प्लान शोज को एचडी या 4के गुणवत्ता में सपोर्ट नहीं करता है।

सबसे किफायती प्लान लाने के बावजूद नेटफ्लिक्स अभी भी भारत मेंओवर द टॉप (ओटीटी) कंटेंट स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म है। दुनिया में सबसे सस्ते डाटा चार्ज के साथ दूसरा सबसे बड़ा स्मार्टफोन मार्केट भारत अंतर्राष्ट्रीय कंटेंट और म्यूजिक स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स की योजनाओं का मुख्य केंद्र है।

हाल ही में, एप्पल म्यूजिक ने अपने पूर्ववर्ती 120 रुपये प्रति महीने के प्लान को घटाकर 99 रुपये का कर दिया था।

आज का राशिफल

मेषः आपकी परीक्षा का दौर चल रहा है। आप अपने काम में ज्यादा ध्यान दें। कई लोगों के लिए दिन भर आलस का माहौल रहेगा। आपकी परेशानी का कारण छोटा-मोटा तनाव है।

वृषभः दिन भर काफी व्यस्तता रहेगा। शाम तक अच्छी खबरें मिलेंगी और आप फायदे में भी रहेंगे। व्यवसायिक मामले में सावधानी बरतने से होने वाले नुकसान को बचाया जा सकता है।

मिथुनः आज का दिन उत्साह से भरा है, दोपहर तक कोई टेलीफोन कॉल के जरिए किसी खास मामले में जानकारी दे सकता है। विद्यार्थी अपना ज्यादा से ज्यादा ध्यान पढ़ाई में लगाएं तो फायदा मिलेगा।

कर्कः आज का दिन आपके लिए कुछ खास साबित हो सकता है। किसी एक ही तरकीब पर काम करना काफी रहेगा। आज कोई रिस्क वाला कदम न उठाएं।

सिंहः आज दिन बहुत अच्छा बीतेगा। दिल में कोई बात या नई तरकीब हो तो फौरन आगे बढ़ें फायदा अवश्य होगा। दोस्तों के साथ रहने से फायदा हो सकता है।

कन्याः आज आपका दिन काफी व्यस्त भरा होगा। पुराने समय से चली आ रही समस्या भी खत्म हो सकती है। अगर आप दूसरों की मदद करेंगे तो आपकी मदद करने वाले भी आएंगे।

तुलाः आपको दिन के पहले हिस्से मे फोन के जरिए आज कोई खुशखबरी मिलेगी। ऑफिस के साथी भी टीमवर्क से खुश होंगे। लेनदेन और बिजनस में खतरा हो सकता है।

वृश्चिकः दिन के पहले हिस्से में मेहनत कुछ ज्यादा ही करनी होगी। शाम तक मुनाफे के कई मौके आएंगे। आज घूमने का अवसर मिल सकता है वहीं पर किसी अच्छे और असरदार लोगों से मेल मुलाकात होगी और काम की चिंता भी खत्म होगी।

धनुः आज आपका समय अच्छा है इसका पूरा फायदा उठाएं। आपकी कई अच्छाएं आज पूरी होंगी। घूमने फिरने से कोई जरूरी कम बन सकता है। किसी अभियान में आपकी जीत हो सकती है।

मकरः आज आपकी किसी से अनबन न हो इस बात का ध्यान रखें। काम काज में आपकी स्थितियां बेहतर होंगी। बिजनस में मुनाफे की आशा रहेगी।

कुंभः आज टीमवर्क से काम करने वाला दिन है। ऑफिस में अपने साथियों के साथ मिलकर काम करने से अच्छे परिणाम मिलेंगे। बातचीत से कोई नया फायदे की तरकीब निकल कर आ सकती है।

मीनः आज का दिन काफी धीमा हो सकता है लेकिन धीरे-धीरे आगे बढ़ने से ही फायदा हो सकता है। कोशिश जारी रखें तो अटके हुए काम भी बन जाएंगे। सतर्क होकर अपने काम में जुट जाएं शायद यह संघर्ष का आखिरी दौरा होगा।

पौराणिक प्रसंगों की तार्किकता

'वृंदा से तुलसी' पौराणिक कथा को लेकर लिखा गया नाटक है। इसके माध्यम से लेखिका डॉ. उर्मिला किशोर ने अच्छाई की विजय और बुराई की पराजय का संदेश दिया है। सहज भाषा में लिखे गये इस नाटक की विशेषता है कि बड़ी सहजता से इसका मंचन किया जा सकता है।

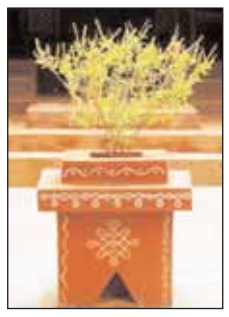

तुलसी की कथा का अनेक धर्म ग्रंथों में वर्णन है। तुलसी और उनके पति जालंधर की कथा को लेकर जो आमजन में भ्रांतियां हैं, इस नाटक के माध्यम से उन्हें दूर करने का प्रयास किया गया है। विभिन्न जगहों पर यह दृष्टांत है कि भगवान विष्णु ने छल से वृंदावन का पतिव्रत धर्म नष्ट कर दिया था। नाटक में लेखिका द्वारा इन भ्रांतियों को दूर करने का प्रयास भी किया गया। नारी सशक्तीकरण का भी सीधा-सादा ज्वलंत उदाहरण है यह नाटक। इसमें भगवान विष्णु वृंदा को यह संदेश देते हैं कि तुमने अपने विवेक से काम नहीं लिया। पतिव्रत धर्म तो यह भी कहता है कि पति को अत्याचार करने से रोका जाए। तुमने वह नहीं किया। तुम्हारे पति जालंधर के अत्याचार बढ़ते गये। इसी कारण तुम्हें जड़ रूपी वृक्ष बना देना मेरा शौक नहीं बल्कि तुम्हारे कर्मों का फल था।

नाटक में तुलसी विवाह की कथा भी मनोरंजक तरीके से प्रस्तुत की गयी है।

इस तारीख को होगी वर्ल्डकप टीम इंडिया की घोषणा

नई दिल्ली। आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप को दो महीने से भी कम का समय रह गया है. आगामी 30 मई को शुरू होने वाले क्रिकेट के इस महाकुंभ के लिए टीमों की घोषणा का सिलसिला भी शुरू हो गया है. इस कड़ी में भारतीय फैंस को टीम इंडिया के ऐलान का इंतजार है. फिलहाल भारतीय खिलाड़ी और उनके फैंस आईपीएल के रंग में रंगे हैं, लेकिन सभी संभावित खिलाड़ियों पर फैंस और क्रिकेट पंडितों की पैनी नजर है. अब बीसीसीआई ने तय कर लिया है कि वह कब टीम इंडिया की घोषणा करेगी.

वैसे तो उपकप्तान रोहित शर्मा सहित कई लोग कह चुके हैं वर्ल्डकप में चुनी जाने वाली टीम का आईपीएल के प्रदर्शन से कोई लेना देना नहीं हैं. वहीं पिछले साल नवंबर में जब टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर जा रही थी तब भी टीम मैनेजमेंट ने संकेत दिए थे कि उसके कुछ समय से किए जा रहे टीम इंडिया में चयन को लेकर प्रयोग अब नहीं होंगे. इससे जाहिर ही हो गया था कि जो टीम ऑस्ट्रेलिया में गई थी उसमें ज्यादा फेर बदल की संभावना नहीं है.सूत्रों के मुताबिक बीसीसीआई टीम इंडिया की घोषणा आगामी 15 अप्रैल को करने जा रही है. बीसीसीआई यह घोषणा मुंबई में करने वाली है. यह पहले से ही तय था कि बीसीसीआई को टीम की घोषणा आईपीएल के बीच में ही करनी पड़ेगी. इस बार बीसीसीआई काफी पहले से ही इस वर्ल्ड कप के चयन की तैयारी कर रही थी. इसको लेकर लगभग पिछले दो साल से टीम में काफी प्रयोग भी चल रहे थे. गौरतलब है कि सबसे पहले न्यूजीलैंड ने अपनी टीम की घोषणा की थी उसके बाद पाकिस्तान ने भी अपनी टीम की घोषणा की है.

इंग्लैंड के माइकल वॉन की बीसीसीआई को सलाह, अब कोहली को रेस्ट दो

लंदन। विराट कोहली की टीम बेंगलुरू आईपीएल-12 की खिताबी रेस से लगभग बाहर हो गई है. उसे रविवार को दिल्ली की टीम ने चार विकेट से हराया. यह बेंगलुरू की मौजूदा सीजन (IPL-12) में लगातार छठी हार है. माना जा रहा है कि टीम की खिताबी उम्मीदें खत्म होने के बाद विराट कोहली कुछ मैचों में रेस्ट कर सकते हैं. वैसे, उन्होंने या उनकी टीम ने ऐसे कोई संकेत नहीं दिए हैं. लेकिन इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने भारतीय बोर्ड को ऐसा करने की सलाह जरूर दी है.

इंग्लैंड के माइकल वॉन ने बेंगलुरू के मैच हारने के बाद ट्वीट किया. उन्होंने इसमें कहा, 'यदि भारत समझदारी भरा फैसला लेना चाहता है तो उसे अब विराट कोहली को विश्व कप से पहले आराम देना चाहिए. उन्हें बड़े इवेंट से पहले थोड़ा वक्त दीजिए. IPL 2019.' आईसीसी विश्व कप इस साल 30 मई से इंग्लैंड में होना है. हालांकि, माइकल वॉन की सलाह पर लोग कड़ी प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं. एक भारतीय प्रशंसक ने लिखा, 'माइकल, अपनी सलाह अपने पास रखिए. विराट बड़े खिलाड़ी हैं. वे अच्छा खेल रहे हैं. टीम इंडिया में उनका साथ देने के लिए एमएस धोनी भी हैं. इसलिए बेहतर होगा कि आप अपनी टीम (इंग्लैंड) की चिंता करें.

भारत के पूर्व क्रिकेटर हेमांग बदानी ने ट्वीट किया, 'विराट कोहली के बारे में सोचकर थोड़ा दुख हो रहा है.

हार के लिए कोच नहीं, कप्तानों को दोषी मानता है पूर्व कप्तान

कोलकाता। इंडियन टी20 लीग (आईपीएल) में बेंगलुरू, दिल्ली और राजस्थान की टीमों के कोचिंग स्टाफ में सौरव गांगुली, गैरी कर्स्टन, रिकी पोंटिंग, शेन वार्न और आशीष नेहरा जैसे पूर्व क्रिकेटर हैं. इसके बावजूद ये टीमें आईपीएल-12 में एक भी जीत दर्ज नहीं कर सकी हैं. इससे टीम के खिलाड़ियों के साथ-साथ कोचिंग स्टाफ पर भी सवाल उठ रहे हैं. हालांकि, दिल्ली के कप्तान रह चुके विजय दहिया ने ऐसे सवालों को खारिज कर दिया है. विजय दहिया दो टेस्ट और 19 वनडे मैच खेल चुके हैं. इस समय बेंगलुरू के पास मुख्य कोच के रूप में गैरी कर्स्टन और गेंदबाजी कोच के रूप में आशीष नेहरा हैं. इसी तरह दिल्ली कैपिटल्स की टीम में मुख्य कोच के रूप में रिकी पोंटिंग और सलाहकार के रूप में सौरव गांगुली. क्रिकेट के दो महान कप्तानों के होने के बावजूद टीम अपनी छाप छोड़ने में असफल रही हैं. कोलकाता नाइट राइडर्स के पूर्व सहायक कोच विजय दहिया ने इस बारे में कहा कि अनुभवी पूर्व क्रिकेटरों का मार्गदर्शन यकीनन टीम को मदद करता है.

नवरात्रि व्रत में बनाए साबूदाने के चटपटे पकौड़े

आज से नवरात्रि शुरू हो गए हैं। नवरात्रि में नौ दिनों तक मां के नौ रूपों की पूजा होती है और उनको प्रसन्न करने के लिए व्रती नौ दिनों तक व्रत रखकर मां दुर्गा के नौ रूपों को खुश करते हैं। बहुत लोग व्रत में फलों का सेवन करते हैं और बहुत से लोग एक समय भोजन करके व्रत रखते हैं। तो वहीं कई लोग सेंधा नमक से तैयार भोजन खाकर व्रत रखते हैं। नवरात्रि में व्रत शुरू करना तो आसान होता हैं लेकिन एक दिन बाद से ही चटपटा खाने का मन करने लगता है। ऐसे में साबूदाने के चटपटे पकौड़े को ट्राई कर सकते हैं। आइए जानते हैं कि साबूदाने के चटपटे पकौड़े कैसे बनाए जा सकते हैं। इसे जरूर ट्राई करें, यह निश्चित तौर पर आपको बहुत ही पसंद आएगा।

सामग्रीः

हरी मिर्च- 1 से दो
आलू- 2 उबले आलू
मूंगफली- 1 चौथाई कप मूंगफली
आटा- एक बाउल भरा आटा
सेंधा नमक- स्वादानुसार
जीरा- आधा चम्मच
कटा हुआ आधा टमाटर
धनिया पत्ता- कटा हुआ

चटपटे पकौड़े के विधिः

एक बाउल में आटा, उबले और मैश किए हुए आलू, हरी मिर्च, जीरा, साबूदाने, मूंगफली, टमाटर काट कर टुकड़ों में कर लें। कटा हुआ धनिया, पत्ता और सेंधा नमक डालकर अच्छी तरह मिक्स कर लें। एक कड़ाई में तेल डालकर गर्म होने के लिए धीमी आंच पर रखें। तेल गर्म होने के बाद मिक्स किए पेस्ट को टिकिया जैसा आकार देकर गर्म तेल में डालें और फिर लाल होने तक उसको पकाएं। इसके बाद उसको तेल में से निकाल ले और फिर इसे थाली में गर्मागर्म सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य-28

बाएं से दाएं

1. खूब कसा हुआ, फूर्तिला, जो शिथिल व आलसी न हो 3. सार्वजनिक स्थान, संस्था, अस्तित्व, समिति 4. पौरुष, पुरुषत्व, मर्द होने का भाव 6. अंधेरा, अंधकार 7. लिपाई करना 9. शरीर, काया, जिस्म 10. मां के पिता, विभिन्न 12. महीना, मास 14. प्रियतम, बलमा, सजना 15. पांडवों का सबसे छोटा भाई 17. नशा, घमंड, खाता 19. वनोपज, वन से प्राप्त सामाग्री 21. शक्तिशाली, बलवान 24. तीव्र इच्छा 25. हथेली।

ऊपर से नीचे

1. निंदा, बुराई 2. निर्जीव, निष्प्राण 3. ध्वनियों या स्वरों का विशिष्ट लय में प्रस्फुटन, धुन, म्युजिक 4. झुका हुआ, विनीत 5. रूठे हुए को प्रसन्न करना, राजी करना 8. आश्रय, शरण 11. जन्म, जिंदगी 12. इंसानियत, मनुष्यता 13. रास्ता, मार्ग 14. एक हिंदी महीना, श्रावण 15. सपाट, जो उबड़-खाबड़ न हो 16. पति का छोटा भाई 18. गहरा कीचड़, पंक 20. आत्मा, अंतःकरण (उ.) 22. बीता हुआ या आने वाला दिन 23. बगुला।

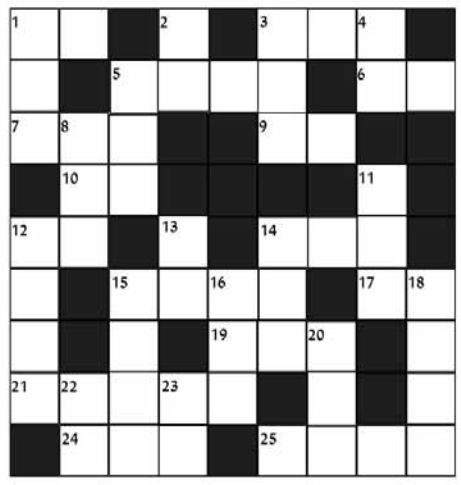

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 27 का हल

गु	मा	न			प	यो	द	
न		ह	क	दा	र		ल	य
ह	वा	ला	त		च		द	म
गा			रा	ज	म	ह	ल	
र	ई	स		ग		स		अ
	मा		प	त	वा	र		ल
ख	न	क	ना		ह	त		बे
स	दा		ह		वा		शो	ला
रा	र				ही	र	क	

सू-दोकू-28

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.27 का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2